PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 96 शुक्रवार, अक्टूबर 23, 2026 *विशाखापट्टनम* संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

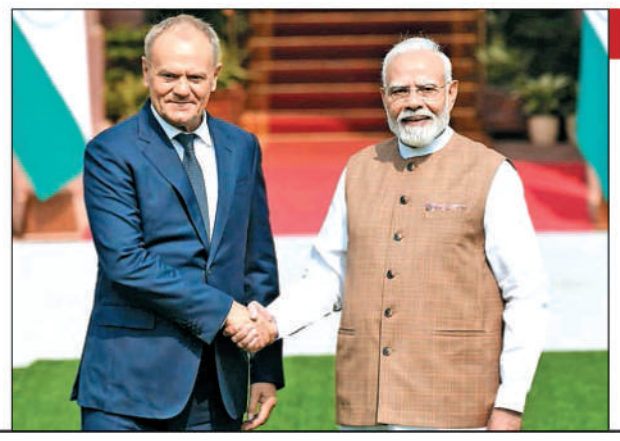
हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से मिले पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क

पोलैंड की कंपनियों को भारत के साथ को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन करने का निमंत्रण मिला

नई दिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी और पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अहम बैठक की। इसके बाद पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने डिफेंस, स्पेस और न्यूक्लियर एनर्जी संबंधों को प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई।

दोनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। पीएम मोदी ने टस्क का स्वागत करते हुए कहा पोलैंड के प्रधानमंत्री का भारत में हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। 2024 में मेरी पोलैंड यात्रा के दौरान उन्होंने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत किया था। उस यात्रा में हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया। इसी मजबूत आधार पर पिछले 2 वर्षों में हमारी साझेदारी ने नई गति पकड़ी है और आज प्रधानमंत्री जी के साथ हुई बैठक में हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पोलैंड और भारत के संबंधों को खास बताते हुए पीएम बोले, 'भारत और पोलैंड की मित्रता केवल कूटनीतिक संबंधों पर नहीं, बल्कि मानवता और संवेदना की साझी विरासत पर आधारित है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जामनगर और कोल्हापुर के राज परिवारों ने पोलैंड के हजारों बच्चों और परिवारों को भारत में आश्रय दिया था।



मुझे गर्व है कि मैं पीएम मोदी को अपना मित्र कह सकता हूं : टस्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र कहने पर 'गर्व' है, साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और पोलैंड के बीच कोई 'हितों का टकराव' नहीं है। उन्होंने वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका की सराहना भी की। यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए टस्क ने दोनों देशों के बीच सकारात्मक संबंधों को रेखांकित किया। 'मुझे गर्व है कि मैं प्रधानमंत्री मोदी को अपना मित्र कह सकता हूं,' टस्क ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और पोलैंड के बीच कोई 'हितों का टकराव' नहीं है और वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका के प्रति पोलैंड की सराहना को रेखांकित किया। यह तब आया है जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते (एफटीए) ने भारत-पोलैंड साझेदारी के अवसरों को और व्यापक बनाया है, और उन्होंने भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत तथा पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गति को रेखांकित किया। 'हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत-पोलैंड साझेदारी के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

■ **टस्क ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी :** दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना है। टस्क ने राष्ट्रपिता को समर्पित स्मारक राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की।

भवानी भक्तों की मौत पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जताया गहरा दुख





(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 22 अक्टूबरः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने काकीनाडा जिले के प्रत्तिपाडु विधानसभा क्षेत्र में कठिपुडी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविकमपाडु जंक्शन के पास हुए भीषण सड़क हादसे में चार भवानी भक्तों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने भवानी दीक्षा धारण किए हुए चार श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मृत्यु पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा स्थित श्री कनक दुर्गा माता मंदिर में दर्शन के लिए पैदल जा रहे भवानी भक्तों की सड़क हादसे में मौत होना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

भवानी भक्तों की मौत पर मंत्री सत्य कुमार यादव ने जताया गहरा सदमा

आंध्र प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने काकीनाडा जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में चार भवानी भक्तों की मौत पर गहरा सदमा व्यक्त किया।

मंत्री ने मृतक श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कामना की कि इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों को दुख सहने की शक्ति और साहस मिले। मंत्री सत्य कुमार यादव ने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

आंध्र प्रदेश में जेडपीटीसी और एमपीटीसी नामांकन केंद्रों पर भारी तनाव

(पेन पॉवर न्यूज):
चित्तूर, 22 अक्टूबरः आंध्र प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर जिला परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) और मंडल परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) के नामांकन केंद्रों पर तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। अन्नमय्या जिले के तंबल्लपल्ले विधानसभा क्षेत्र में स्थित नामांकन केंद्रों पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। विशेष रूप से पेद्दा तिप्पा समुद्रम और तंबल्लपल्ले मंडलों के नामांकन केंद्रों पर भारी तनाव देखने को मिला। एमपीटीसी नामांकन के दूसरे दिन सत्तारूढ़ गठबंधन और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में नामांकन केंद्रों पर पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प और धक्का-मुक्की की घटनाएं हुईं। पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों गुटों को नियंत्रित किया और उन्हें नामांकन केंद्रों से दूर भेज दिया।

मार्कापुरम जिले में भी तनाव

मार्कापुरम जिले के कनिगिरी में मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) कार्यालय के पास भी तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। एमपीटीसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाईएसआरसीपी के नेता बड़ी संख्या में रैली के रूप में पहुंचे। हालांकि, पुलिस ने रैली को रोक दिया। इस दौरान वाईएसआरसीपी नेताओं और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस हुई। वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स हटा दिए, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया।

आंध्र प्रदेश में नामांकन प्रक्रिया तेज

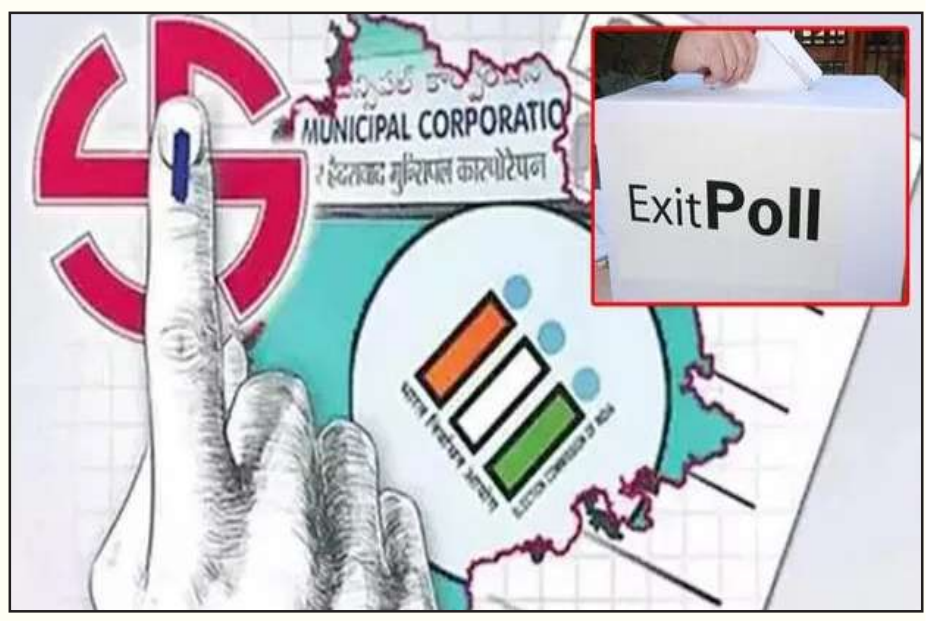
दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश में जेडपीटीसी और एमपीटीसी चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। नामांकन के दूसरे दिन राज्यभर में सत्तारूढ़ गठबंधन, वाईएसआरसीपी और अन्य राजनीतिक दलों के उम्मीदवार बड़ी संख्या में नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवार भी सक्रिय रूप से नामांकन दाखिल कर रहे हैं।

जेडपीटीसी सीटों के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवारों की तुलना में वाईएसआरसीपी नेताओं ने अधिक नामांकन दाखिल किए हैं।

एमपीटीसी और जेडपीटीसी सीटों के बंटवारे को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन और वाईएसआरसीपी नेताओं ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिन निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है, वहां दोनों पक्षों के उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर रहे हैं।

राज्य में कुल 9,829 एमपीटीसी सीटों के लिए पहले दिन विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने 5,267 नामांकन पत्र दाखिल किए।

इसी तरह, कुल 659 जेडपीटीसी सीटों के लिए पहले दिन 409 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।



पहले दिन एमपीटीसी चुनाव के लिए पार्टीवार नामांकन

– तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी): 2,719
– जनसेना पार्टी: 294
– भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): 74
– वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी): 1,918

पहले दिन जेडपीटीसी चुनाव के लिए पार्टीवार नामांकन
– तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी): 128
– जनसेना पार्टी: 21
– भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): 24
– वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी): 192

नामांकन के दूसरे दिन भी विभिन्न राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने का सिलसिला जारी है।

कुछ स्थानों पर तनावपूर्ण घटनाओं के बावजूद राज्य के कई क्षेत्रों में नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिले उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण



(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 22 अक्टूबरः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। पवन कल्याण बिना किसी सुरक्षा दल या काफिले के अकेले मुख्यमंत्री के आवास पहुंचे। उनके चालक ने कार चलाई, जिसमें सवार होकर वह चंद्रबाबू नायडू के घर पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक महत्वपूर्ण चर्चा हुई। माना जा रहा है कि बैठक में स्थानीय निकाय चुनावों, बागी उम्मीदवारों से उत्पन्न चुनौतियों और सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चर्चा हुई। शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को स्थगित करने की संभावना पर भी बातचीत होने की जानकारी है।

फर्जी खबरों के अभियान पर भी हुई चर्चा

जानकारी के अनुसार, चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण ने सुबह से सोशल मीडिया पर चल रहे फर्जी प्रचार के मुद्दे पर भी चर्चा की। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इस कथित दुष्प्रचार के संबंध में पहले ही साइबर क्राइम अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज करने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं।

पवन कल्याण के इस्तीफे की फर्जी खबर पर जनसेना का कड़ा रुख,

साइबर पुलिस से शिकायत

अमरावती, 22 अक्टूबरः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के इस्तीफे को लेकर फैल रही अफवाहों पर उनके कार्यालय और जनसेना पार्टी के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस झूठे प्रचार की तीखी निंदा की है। जनसेना नेताओं ने उस दुष्प्रचार पर नाराजगी जताई, जिसमें दावा किया जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं और जल्द ही कोई बड़ा ऐलान होने वाला है। नेताओं ने ऐसे संदेशों पर भी आपत्ति जताई,



जिनमें दावा किया जा रहा है कि इस संबंध में आधिकारिक बयान जल्द जारी किया जाएगा। इस मामले में जनसेना नेताओं ने साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद संदेश प्रसारित करने वाले गिरोह को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जनसेना नेताओं को संदेह है कि इस फर्जी प्रचार के पीछे वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेताओं का हाथ हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक रूप से सीधे मुकाबला नहीं कर पाने के कारण इस तरह की झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। जनसेना नेताओं ने पुलिस से फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

पवन कल्याण के कार्यालय की फर्जी व्हाट्सऐप चौनल संचालकों को चेतावनी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के इस्तीफे से जुड़ी खबरों पर उनके कार्यालय ने प्रतिक्रिया दी है। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के नाम पर चलाए जा रहे फर्जी व्हाट्सऐप चौनल के संचालकों को आधिकारिक चेतावनी जारी की गई है। कार्यालय ने स्पष्ट किया कि "क्मचनजल ब्डव् ।दकीतं च्तंकमी" नाम से संचालित व्हाट्सऐप चौनल आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री कार्यालय का आधिकारिक चौनल नहीं है। इस अनधिकृत चौनल के जरिए कार्यालय के नाम और पहचान का दुरुपयोग करके जनता को गुमराह करने वाली खबरें और असंबंधित सामग्री प्रसारित की जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री कार्यालय ने चेतावनी दी कि किसी सरकारी कार्यालय की झूठी पहचान अपनाना और जानबूझकर गलत सूचनाएं फैलाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यालय ने बताया कि इस फर्जी चौनल के मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवश्यक कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जनता से अपील की गई है कि वह इस फर्जी चौनल पर भरोसा न करे, इसे फॉलो न करे और इस पर प्रकाशित किसी भी जानकारी को दूसरों तक न पहुंचाए। प्रामाणिक जानकारी और आधिकारिक अपडेट के लिए लोगों को केवल उपमुख्यमंत्री कार्यालय के सत्यापित सोशल मीडिया अकाउंट और प्रमाणित व्हाट्सऐप चौनल को ही फॉलो करने की सलाह दी गई है। पवन कल्याण के कार्यालय ने दोहराया कि सरकारी कार्यालय की पहचान का दुरुपयोग किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को कानून के तहत जवाबदेह ठहराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पवन कल्याण के इस्तीफे की फर्जी खबर फैलाने पर व्हाट्सऐप एडमिन ने मांगी माफी

अमरावती, 22 अक्टूबरः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपने इस्तीफे को लेकर एक व्हाट्सऐप चौनल पर प्रसारित खबरों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

पवन कल्याण ने इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत करने का फैसला किया। इसके बाद संबंधित व्हाट्सऐप ग्रुप के एडमिन ने प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी। एडमिन ने स्वीकार किया कि पवन कल्याण के इस्तीफे से संबंधित एक पोस्ट सोशल मीडिया पर देखने के बाद उसकी सत्यता की जांच किए बिना जल्दबाजी में शेयर कर दी गई थी। एडमिन ने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में हुई और इसके पीछे किसी तरह की दुर्भावनापूर्ण मंशा नहीं थी।

व्हाट्सऐप एडमिन ने दी सफाई और मांगी माफी

संबंधित व्हाट्सऐप ग्रुप के एडमिन ने अपने स्पष्टीकरण में कहा:

''आज सुबह मैंने ग्रुप में एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें दावा किया गया था कि पवन कल्याण उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं। ''मैंने यह खबर सोशल मीडिया पर देखी थी और इसकी पूरी तरह से सत्यता की जांच किए बिना जल्दबाजी में शेयर कर दी। ''बाद में मुझे पता चला कि यह एक फर्जी खबर (फेक न्यूज) थी। इस मामले पर उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया आई और कार्रवाई करने की बात कही गई। ''मुझे अपनी इस गलती पर दिल से अफसोस है। यह गलती अनजाने में हुई और इसके पीछे मेरी कोई गलत मंशा नहीं थी। ''मैं पवन कल्याण, जनसेना पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और व्हाट्सऐप ग्रुप के सभी सदस्यों से हृदयपूर्वक माफी मांगता हूं।

''मैं आश्वासन देता हूं कि भविष्य में किसी भी खबर को पूरी तरह सत्यापित करने के बाद ही ग्रुप में पोस्ट करूंगा।

संपादकीय

सत्तर साल जिया, मगर जाना क्या?

अपनी सत्तर वर्ष की उम्र में बुजुर्गों के जिए हुए जीवन और उनकी स्मृतियों में मैंने अपना बचपन तलाशा तो अपने ही समय को लेकर कई सवाल उठे। पचास वर्षों की पत्रकारिता में जिस भारत को देखा, जाना, समझा और लिखा, क्या वह इन लोगों के जिए हुए भारत से अलग था? या एक ही देश और समय को हम अपनी-अपनी दुनिया से अलग-अलग देखते रहे? लंबा जीना और जीवन को बड़ा जीना क्या एक ही बात है? और अब, जब मशीनें भी सोचने-लिखने लगी हैं, तब अपने जिए हुए जीवन, अपनी स्मृतियों और अनुभवों का अर्थ क्या रह जाता है? आखिर जो मैंने जिया, वह कितना समझा? जो समझा, वह कितना लिखा? और जो अब तक नहीं समझ पाया, उसे लिखने को क्या बचा है? बावजूद इसके समय को लेकर मन में विचार खदबदा रहे हैं। क्यों न हों? देखते-देखते हाल के वर्षों में कितने ही हमउम्र और अपने से छोटे परिवारजन, सहपाठी और पत्रकार साथी दिवंगत हो गए। किशन मानसिंहका, जगदीप बैंस, जगदीश जोशी, जगदीप, कृष्ण चोपड़ा, शेख रियाजुद्दीनज् छोटे भाई-बहन, बचपन की स्मृतियों में बसे चेहरेज। और संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एलएंडडी श्रेणी के कई वरिष्ठ सहपत्रकारों की मृत्यु के समाचार भी मिलते हुएज्। किसी के जाने का समाचार अचानक आया, किसी के बारे में पहले से बीमारी की खबर थी। कभी जिन लोगों के साथ मन मिला, काम किया, गपशप की और जिनका होना रोजमर्रा की दुनिया की हलचल थी, वे अब नहीं हैं। इन दिनों भी 'नया इंडिया' की रिपोर्टर डायरी के विवेक सक्सेना की सेहत, उसका आईसीयू में जाना-आना व्यथित किए हुए है। यों जीवन और मृत्यु के बारे में सोचने के लिए सत्तर वर्ष का होना जरूरी नहीं है। लेकिन इस उम्र में किसी के जाने का समाचार केवल उसके न रहने का समाचार नहीं होता। उसमें अपनी उम्र का बोध भी शामिल होता है। एक-एक कर वे लोग जा रहे हैं, जिनके साथ जीवन का कोई समय बीता था। किसी के साथ बचपन, किसी के साथ जवानी, किसी के साथ पत्रकारिता के दशकों का साथ। उनके जाने से केवल उनका साथ नहीं छूटता, अपने बीते हुए समय का भी कुछ हिस्सा मानो छूट जाता है। शायद इसलिए इस विजयादशमी को, जब मेरे सत्तर वर्ष पूरे हुए, तो मुझे पहली सुध उन लोगों की हुई, जिन्होंने मेरा बचपन देखा, जाना और समझा था। आखिर मैं अपने बचपन को कितना जानता हूं? उसकी कितनी यादें मेरी अपनी हैं और कितना वह समय दूसरों की स्मृतियों में बचा हुआ है? जो मैं नहीं जानता, उस मेरे बचपन को वे जानते हैं। तब क्यों न अपने जन्मस्थान लौटूं? उन लोगों के बीच बैठूं जो मुझसे उम्र में बड़े हैं, जिन्होंने मेरे माता-पिता को जाना, घर-परिवार को देखा और उस समय को जिया, जिसमें मेरा जन्म हुआ था।

पर अब ऐसे लोग कितने बचे होंगे? और जो बचे हैं, उनकी स्मृतियों में क्या-क्या बचा होगा? क्या उन्हें वे बातें याद होंगी, जिनका मुझे कोई भान नहीं? क्या उनके बताए किस्सों में मुझे अपना ही कोई अनजाना चेहरा दिखाई देगा?

मन में यह भी सवाल है कि जिन लोगों ने अस्सी, नब्बे या उससे अधिक वर्ष जिए हैं, उन्होंने जीवन को कैसे जाना? क्या लंबा जीना और जीवन को भरपूर जीना एक ही बात है? क्या उम्र बढ़ने के साथ बीता हुआ समय अधिक साफ दिखाई देता है या स्मृतियां भी धीरे-धीरे धुंधली पड़ जाती हैं?

अजीब है कि एक ओर अपने से छोटे और हमउम्र लोगों के जाने के समाचार हैं, तो दूसरी ओर अपने से बड़े, अभी जीवित लोगों के बीच बैठने की इच्छा! जिनके साथ जीवन का बड़ा हिस्सा बीता, वे जा रहे हैं और जिन्होंने मेरे जीवन की शुरुआत देखी थी, उनसे मिलने का समय भी अब कितना बचा है? शायद सत्तर वर्ष का होना मेरे लिए फिलहाल यही है। अपने आसपास से विदा होते लोगों की याद और अपने जन्मस्थान में बचे हुए लोगों से मिलने की बेचैनी। आखिर अपने जीवन के बारे में कितना कुछ है जो मुझे स्वयं नहीं मालूम। और फिर जो जानते हैं, वे भी कब तक रहेंगे? इसीलिए इस विजयादशमी को, अपने जन्मदिन से पहले मन में खयाल आया कि जन्मदिन पर दिल्ली में क्यों रहा जाए? क्यों न उस जगह लौटूं जहां जन्म लिया था? जहां अभी भी 94-95 वर्ष की बुआ हैं। उनसे कुछ कम उम्र की मौसी हैं, मामी हैं और मुझसे पांच, दस, पंद्रह वर्ष बड़े भाईबंद हैं। वे लोग हैं, जिन्होंने मुझे बचपन से देखा, स्कूली दिनों से जाना और समझा। कुछ मेरे अध्यापक भी रहे। किसी ने तब अध्यापक बनने की सलाह दी थी तो किसी ने सेशन कोर्ट में क्लर्क की सरकारी नौकरी का रास्ता सुझाया था। पर तब बच्चे हों या अभिभावक, करियर और भविष्य की चिंता में दिमाग नहीं खपाते थे। बच्चे बचपन जीते थे। और मेरे अनुभव व विचार में जीवन के सबसे मस्त, मजेदार और बेफिक्र दिनों को अपनी पूरी मस्ती में जीते थे! मैं उम्रदराज भाईबंदों के आगे आज भी छोटा हूं। उम्र में भी और अनुभव में भी। आखिर जीवन के उतार-चढ़ाव, कुनबे और समाज के सुख-दुख, हंसी-गमी तथा बदलते देशकाल को उन्होंने मुझसे अधिक देखा, भोगा और समझा है। सो, क्यों न उनके बीच कुछ समय गुजारूं? बैठूं, बातें करूं। जानूं कि वे अपने इतने लंबे जीवन को कैसे देखते हैं? क्या याद रह गया है और क्या पीछे छूट गया? कितने कष्ट झेले? अपने ही कुल, वंश की तीन-चार पीढ़ियों में आए परिवर्तनों को वे कैसे देखते हैं? समय का यह सफर उन्हें कैसा लगता है? वे कितना हंसे, कितना मन ही मन रोए? और अब जीवन को लेकर कितना संतोष है या संताप? क्या उम्र बढ़ने के साथ जीवन का अर्थ भी बदलता है या केवल उसे देखने का ढंग बदल जाता है? दिल्ली में रहते हुए उम्र का बोध कुछ और होता है। अपने काम, अखबार, खबरों और देश-दुनिया की घटनाओं के बीच दिन निकल जाते हैं। वहां उन साथियों की कमी महसूस होती है जो अब नहीं रहे। जन्मस्थान में अपने से बड़े लोगों के बीच शायद उम्र का दूसरा अर्थ है। वहां मैं उन लोगों के बीच होऊंगा, जिन्होंने मुझसे अधिक जीवन देखा है, लेकिन जिनके जीवन का हिसाब मेरे जीवन से निश्चित ही अलग, बिल्कुल अलग होगा। मूल सवाल है, लंबे समय तक जीना ही क्या बड़ी बात है? या जीवन को बड़ा जीना कुछ और है? यह सवाल मेरे अंतर्मन की उस खदबदाहट से भी जुड़ा है कि 15 अगस्त 1947 को जब भारत का जन्म एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में हुआ, आधुनिकता के राष्ट्र-राज्य के खांचे में, तो उसके साथ हिंदू सभ्यता की चिरंतनता, निरंतरता की दास्तान भी जुड़ी हुई थी। बावजूद इसके आज 145 करोड़ लोगों के सामने यह यक्ष प्रश्न है कि हमारी इस अमिटता में मानव सभ्यता की दृष्टि से बड़ा जीने जैसा क्या है? हजारों वर्षों से बने रहना एक बात है, लेकिन उन हजारों वर्षों में हमने जीवन को कितना बड़ा बनाया? आखिर बड़ा जीना किसे कहें? यह सवाल व्यक्ति के लिए है, कुनबे के लिए है, तो नस्ल, देश और समूची मानवता के लिए भी है। क्या नहीं? खासकर अब, जब एआई के आने वाले समय में मनुष्य और मानवता के अर्थ ही बदलने की संभावना है? बहरहाल, फिलहाल खदबदाहट व्यक्तिगत है। सो, व्यक्ति के मायनों में ही लंबे जीने और बड़ा जीने के बीच का फर्क समझने की इच्छा है। और मैंने सचमुच विजयादशमी के दिन ओमजी, सुरेशजी, केपी, गोपाल, मामीजी और मौसी के जिए हुए जीवन से जो जाना, वह अजीब सा था। अपने सत्तर वर्षों में, खासकर कॉलेज की पढ़ाई के बाद नई दिल्ली के जेएनयू हॉस्टल से शुरू हुए पिछले पचास वर्षों में मैंने जो सोचा, जाना और लिखा, वह सब उनकी बातें सुनकर कुछ बेतुका सा लगा। वे कह रहे थे, 'हमने समय देखा है, समय को जिया है। इसमें नेहरू हों या कोई दूसरी सरकार, म्हांकी जिंदगी, लोगों की जिंदगी जसी चाल री थी, वसी ही चालती आई है'। पर हां, अब ईर्ष्या है, भूख है, दिखावा है। और घर-परिवारों का ऐसा बिखराव है कि 'अबाणू सुरेशजी की बहन की मृत्यु हुई तो वाके उठावणे में चार लोग नी आया'। जबकि रायला में ही चालीस लोगों के हजारों में फैले परिवारों में लोगों की कोई कमी नहीं। इतने लोग हैं, इतने रिश्ते हैं, मगर किसी के जाने पर चार लोग भी नहीं जुटते! और फिर अनुभवों की जुगाली करते उन चेहरों से बदलते समय के वे रंग भी जाने, जो खूब चटकीले हैं, मगर जिनमें इंद्रधनुषी छटा नहीं है। मेरा मानना है कि 1947 से कुछ वर्ष पहले जन्मे ये भाईबंद, रिश्तेदार और स्वतंत्रता के बाद जन्मे मैं तथा मेरे हमउम्र लोग, यानी स्वतंत्र भारत की पहली पीढ़ी (मैं जिसकी कालावधि अपने पैमाने पर अगस्त 1947 से मई 1964 में नेहरू की मृत्यु तक मानता हूं), शायद एक ऐसे समय के गवाह हैं, जिसमें भारत ने चटकीलापन तो खूब पाया, मगर परिवार, समाज, धर्म, लोकव्यवहार और लोक-संवेदनाओं के इंद्रधनुषी रंग गंवाकर। पर क्या सचमुच ऐसा हुआ है?

चुनौतियों के बावजूद बढ़ती हिंदी

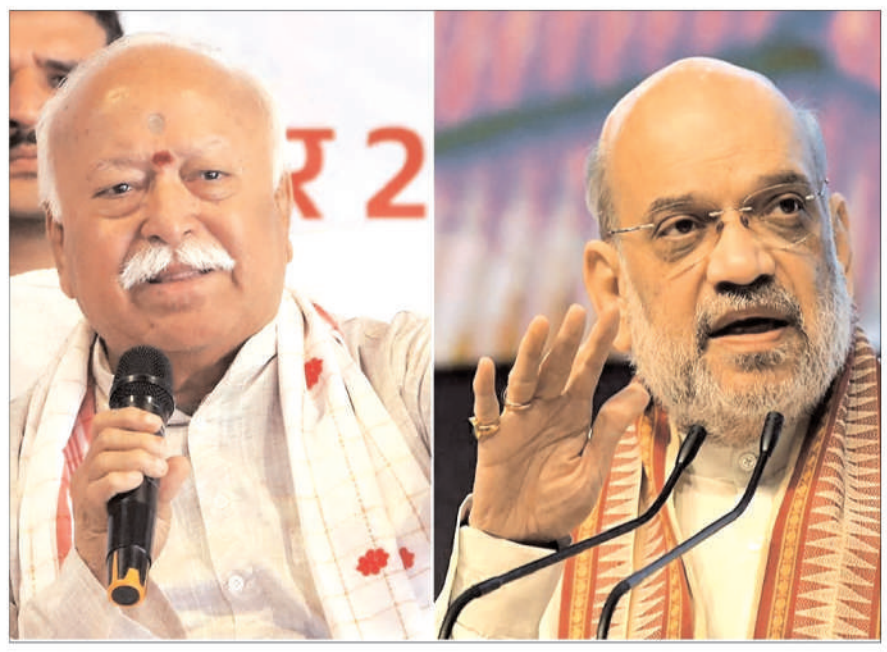
संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लास का स्वाद राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो। जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, 'मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत' यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठा मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रहा। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द 'स्वच्छता से स्वागत' बंगाल में हिंदी थोपने का षडयंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, 'स्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई' कर दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन गायब हो गया। संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय



राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकारांतर से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए। पता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था। हिंदी पर सवाल कभी-कभी कर्नाटक में भी उठता है और किंचित महाराष्ट्र में भी। लेकिन हिंदी को स्वाधीनता से पहले से ही सबसे बड़ी चुनौती तमिलनाडु में मिलती रही है। हाल ही में तमिलनाडु के करूर और कोयंबटूर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जाने वाली दवाओं के पर्चे के कवर पर तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी निर्देश छापे गए थे। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी करते हुए विपक्षी द्रमुक पार्टी के नेता टी.आर.बी. राजा ने सवाल उठाया कि क्या तमिलनाडु में चुपचाप 'तीन-भाषा नीति' लागू की जा चुकी है। हिंदी की ग्रंथि से प्रभावित तमिलनाडु राजनीति सवाल उठाए तो विवाद होना ही था। जब विवाद बढ़ा तो दोनों सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों ने मरीजों को दिए जाने वाले त्रिभाषी कवर का वितरण तत्काल रोक दिया और उसकी जगह तमिल और अंग्रेजी लिखी पर्चियां जारी कर दीं। तमिलनाडु में हाल ही में राजमार्ग के साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर भी विवाद खड़ा किया गया। राज्य के तूतीकोरिन जिले के सत्तानकुलम-नाजरेथ राज्य राजमार्ग 93 पर हिंदी में जगहों का नाम लिखा जाना यहां की विपक्षी राजनीति को रास नहीं आया। जब विवाद बढ़ा तो दो सहायक इंजीनियरों भूमिनाथन और मुथु लक्ष्मी को निलंबित कर दिया गया। इतना ही नहीं, साइनबोर्ड से तत्काल हिंदी नामों को मिटा दिया गया। दरअसल, हाईवे पर लगे नए साइनबोर्ड में तमिल और अंग्रेजी के साथ कस्बों के नाम हिंदी में भी लिखे गए थे। हिंदी उस राज्य के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है, जिसकी एक मंत्री एस कीर्तना ने मई में शपथ लेते ही हिंदी बोलकर लोगों का दिल जीत लिया था। तब उनका तर्क था कि हिंदी के जरिए वे अपने नेता यानी जोसेफ विजयन की नीतियों को व्यापक समुदाय तक पहुंचाना चाहती हैं। राजनीति के चलते भले ही कोलकाता नगर निगम और तमिलनाडु सरकार झुक गए हों, लेकिन देश की सहज संपर्क भाषा को चुनौती समझने वाले इन राज्यों की राजनीति को समझना होगा कि उनके विरोध के बावजूद हिंदी खुद बढ़ रही है। कोलकाता में पोस्टर तैयार करने वाले दिमाग और हाथों को हिंदी के प्रयोग के जरिए भाषायी चमत्कार करना कलात्मक लगता है तो यह हिंदी की ही जीत है।

विजयादशमी पर सनातन विजय व राष्ट्र को नशामुक्त करने का संकल्प

असत्य पर सत्य की विजय का महापर्व विजयादशमी रावण के पुतलों के दहन के साथ धूमधाम से संपन्न हो चुका है। इस अवसर पर देशभर में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ । इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपना स्थापना दिवस मनाया। यह अवसर संकल्पों का अवसर भी रहा इनमें सबसे महत्वपूर्ण संकल्प गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब में लिया। गृहमंत्री ने दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशे से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया। यह एक देशव्यापी संकल्प है क्योंकि आज केवल पंजाब में ही नहीं अपितु अन्य प्रान्तों के युवाओं को भी नशे की लत में झोंका जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विजयादशमी कार्यक्रम को सर संघचालक डा. मोहन भागवत ने संबोधित किया। उन्होंने यूरोप के देशों मे हो रहे विरोध प्रदर्शनों, जेन -जी और एआई पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नई पीढ़ी को एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति के लिए एकजुटता बहुत जरूरी है। भारत विकास की राह पर अग्रसर है ,अभी विकास पूरा नही हुआ है तो समस्याएं तो रहेंगी ही, समस्या के चलते आंदोलन होते ही हैं और लोकतंत्र मे आंदोलन होंगे ही किंतु आंदोलन समाधान के लिए होना चाहिए समस्या के लिए नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि हमें पश्चिम में चली आंधी से बचना ही होगा हमारी किसी भी कृति से समाज में अनबन, द्वेष या विभाजन पैदा नहीं होना चाहिए। डॉ. भागवत ने चेताया कि आंदोलन किसी दूसरे लक्ष्य से



चले तो वह राजनीतिक साधन बन जाता है। इसका लाभ भारत को दबाने वाली शक्तियां लेती हैं। वे भारत को बांटकर दूसरा वर्ग बनाती हैं असंतोष और अराजकता भड़काती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम से आंधी चली है जो हर तरह की व्यवस्था , भद्रता, मांगल्य और सांस्कृतिक मानवीय संस्कार से विरोध रखती है। फ्रांस, अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल में क्या हुआ ये सब किया कराया उनका ही है उन लोगों का कहना है कि रिजीम चेंज करने से परिस्थिति बनती है लेकिन ऐसा कभी हुआ नहीं है पहले नहीं हुआ है और आज भी नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशहरा उत्सव में भाग लेते हुए देश के दुश्मनों को स्पष्ट चेतावनी दी कि हम 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाकर ही रहेंगे। प्रधानमंत्री ने वस्तुतः अपने नये नारे 'हम करके रहेंगे' को ही दोहराया और बता दिया है कि अंत में विजय हमारी ही होगी। प्रधानमंत्री ने देश के सामने आ रही वर्तमान चुनौतियों से मिलकर लड़ने का संदेश दिया और देश के सभी राजनैतिक दलों व समस्त संवैधानिक संस्थाओं से राष्ट्रहित में एकजुट हो जाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने देश के तीन दुश्मनों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के मान सम्मान को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतें, समाज में फूट डालने वाले लोग और भारतीय समाज से नफरत करने वाली सोच ऐसी चुनौतिया हैं जिनका सामना देश को मिलकर करना होगा। उन्होंने देश की एकता व संस्कृति को मजबूत बनाए रखने पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान राम के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि रामराज्य में शासन का उद्देश्य जनकल्याण होता है। वहां भेदभाव की जगह न्याय और सभी को समान अवसर देना होता है। साथ ही गरीबों, वंचितों की सेवा करना भी है, सरकार और समाज दोनों का ध्यान इन लोगों की सहायता पर होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से आगामी समय में सरकार द्वारा लिए जाने वाले संभावित साहसिक निर्णयों व संकल्पों का संदेश भी निकल रहा है। संभव है सरकार संसद के माध्यम से अपने कुछ ऐतिहासिक संकल्पों को पूर्ण करने के लिए आगे बढ़े और इसी कारण से प्रधानमंत्री ने देशहित में सभी राजनीतिक दलों से एकजुटता का आह्वान किया है। सरकार परिसीमन बिल, महिला आरक्षण बिल तथा एक देश एक चुनाव व्यवस्था पर आगे बढ़ना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान समस्याओं का अंत रामराज्य के माध्यम से ही संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में दिए गए अपने संबोधन को स्मरण किया और प्रभु श्रीराम के गुणों व विशेषताओं का वर्णन करते हुए राम राज्य की स्थापना व उस समय लिए गए सभी संकल्पों को पूर्ण करने का भी स्मरण किया और कहा कि 'अंत में विजय हमारी ही होगी।' उन्होंने कहा कि आज देश का जन - मन अधर्म पर धर्म की जीत का उद्घोष कर रहा है भगवान राम ने रावण का अंत किया और मानवता को ऐसे आदर्श दिए जो इतिहास में अतुलनीय हैं। भगवान राम ने कठिनाईयों के बाद भी सत्य और नीति का मार्ग नहीं छोड़ने की सीख दी। उधर उत्तर प्रदेश में सभी की दृष्टि गोरखपुर में आयोजित विजयादशमी उत्सव के अवसर पर उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन पर भी टिकी हुई थी । योगी जी ने अपनी चिर-परिचित शैली में सनातन की बात की। उन्होंने अयोध्या की रामलीला, दीपोत्सव और राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या की रामलीला तक नहीं देखी वे भी वहां को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। योगी ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण तय समय से पहले हो गया है। जो लोग कभी अयोध्या गए ही नहीं उन लोगों को भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण कैसे बर्दाश्त होगा। उन्होंने समाज को जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने वालों की तुलना रावण से की और कहा कि देश को कमजोर करने का प्रयास करने वाले लोगों में रावण की आत्मा आ गई है। उन्होंने कहा कि कालनेमि भी राम -राम कहता था उन्होंने लोगों से बजरंग बली की तरह सही और गलत की पहचान करने की अपील की। महाराष्ट्र से देवेन्द्र फड़नवीस, उत्तराखंड से पुष्कर सिंह धामी, असम से हिमंता बिस्वा सरमा और पश्चिम बंगाल से शुभेंदु अधिकारी के सन्देश और संकल्प भी चर्चा में रहे ।

आज का राशि फल



मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

काशी में फाइटर प्लेनों की गूंज से रोमांचित हुए लोग

वायुसेना के प्रदर्शन के बीच 25 अक्टूबर को आएंगे पीएम मोदी



काशी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। धर्मनगरी काशी में भारतीय वायुसेना के मेगा एयर शो ने आसमान को रोमांचक नजारों से भर दिया। वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में लड़ाकू विमानों की गर्जना और हवाई करतब आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। 22 अक्टूबर से शुरू हुए इस आयोजन को लेकर शहर में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम के जरिए वायुसेना की ताकत, आधुनिक तकनीक और कुशल संचालन क्षमता का प्रदर्शन किया जा रहा है। लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन ने खींचा ध्यान।

एयर शो में भारतीय वायुसेना के विमानों ने अपनी क्षमता और तकनीकी दक्षता की झलक पेश की। स्वदेशी और विदेशी मूल के विमानों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बनाया है। आसमान में विमानों की तेज आवाज और रोमांचक उड़ानें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इस आयोजन का मुख्य कार्यक्रम 22, 24 और 25 अक्टूबर को निर्धारित है।

सुरक्षा व्यवस्था के चलते नमो घाट पर पाबंदी

आम लोगों को नहीं मिलेगा सीधे प्रवेश। एयर शो की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नमो घाट परिसर में आम नागरिकों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन की ओर से यहां आमंत्रित अतिथियों के लिए विशेष दीर्घा तैयार की गई है। सुरक्षा प्रबंधों के कारण बिना अनुमति घाट परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ऐसे में दर्शकों को कार्यक्रम देखने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारियां तेज

25 अक्टूबर को काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। पुलिस लाइन से नमो घाट तक विभिन्न स्थानों पर स्वागत की व्यवस्था की जा रही है। पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री के स्वागत को यादगार बनाने की योजना तैयार की गई है।

धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी तैयारी। प्रधानमंत्री के आगमन पर स्वागत मार्ग पर ढोल-नगाड़े, डमरू वादन, शंखनाद और सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां आयोजित करने की तैयारी है। 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीराम' के उद्घोष के बीच उनके स्वागत की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही निर्धारित मार्ग पर पुष्पवर्षा की भी तैयारी है। एयर शो और प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे के कारण काशी में इन दिनों गतिविधियां तेज हो गई हैं।

हत्याकांड के आरोपियों की आरा में परेड हथकड़ी डाल पैदल कोर्ट ले गई पुलिस

आरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेवानिवृत्त असिस्टेंट कमिश्नर राम कुमार सिंह हत्याकांड में पुलिस ने गिरफ्तार तीन आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच नवादा थाना से आरा सिविल कोर्ट तक पैदल ले जाकर पेश किया।

गुरुवार को हुई इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों को नकाब भी नहीं पहनाया गया था। थाना से कोर्ट की दूरी लगभग डेढ़ किलोमीटर है। आरोपियों को पैदल ले जाते देख रास्ते में लोगों की भीड़ जुट गई। इन तीन आरोपियों में मनोज कुमार सिंह उर्फ लक्की, चंदन सिंह, अभिषेक कुमार और टीपू कुमार शामिल हैं। इनमें से मनोज लक्की को घटना के दिन ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। बाकी तीन आरोपियों को बाद में गिरफ्तार किया गया। पैदल कोर्ट जाने वालों में अभिषेक, टीपू और चंदन हैं। मर्डर की घटना 15 अक्टूबर 2026 की है। सुबह करीब छह बजे नवादा थाना क्षेत्र के कनकपुरी मोहल्ले में जैन कॉलेज के पूर्वी गेट के पास राम कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह अपनी पत्नी और बड़े बेटे के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। उन्हें सात से आठ गोलियां मारी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए भोजपुर पुलिस ने एसआईटी का गठन किया था। टीम का नेतृत्व सदर-1 एसडीपीओ कर रहे थे। भोजपुर के एसपी अवधेश दीक्षित ने इस कांड के पीछे जमीन का विवाद बताया था। विवादित जमीन भोजपुर जिले के सिंघी इलाके में स्थित है। इसका थाना नंबर 245, खेसरा नंबर 69 और खाता नंबर 88 है। 2006 से राम कुमार सिंह का इस जमीन पर कब्जा था। 2020 में उन्होंने जमीन की घेराबंदी भी कराई थी। पुलिस का आरोप है कि दूसरे पक्ष ने वर्ष 2025 में इस जमीन के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी ली और इसके आधार पर अलग-अलग लोगों के नाम जमीन की रजिस्ट्री कराई।

नीरज कुमार से मिले उमेश कुशवाहा और संजय गांधी, 20 मिनट तक बंद कमरे में हुई बात



पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हार्ट से जुड़ी परेशानी का इलाज कराकर नीरज कुमार अस्पताल से डिस्चार्ज हुए। 23 अक्टूबर को एमएलसी चुनाव को लेकर वोटिंग होगी। इस बीच गुरुवार को जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और एमएलसी संजय गांधी, नीरज कुमार से मिलने उनके सरकारी आवास पहुंचे।

बताया जा रहा है कि इससे पहले उमेश कुशवाहा और संजय गांधी ने पूर्व सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। जेडीयू के एमएलसी कैंडिडेट नीरज कुमार से उमेश कुशवाहा और संजय गांधी की लगभग 20 मिनट तक बंद कमरे में मुलाकात हुई। इस मुलाकात को लेकर सियासी गलियारे में कई तरह की चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि इस दौरान दोनों नेताओं ने नीरज कुमार का हाल-चाल जाना। इसके साथ ही 23 अक्टूबर को होने वाली वोटिंग, मतदान की तैयारियां, पोलिंग मैनेजमेंट समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा हुई।

जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार की परेशानी इस बार के चुनाव में थोड़ी बढ़ी हुई है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि नीरज कुमार को खुद के पार्टी के विधायक के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। अनंत सिंह जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह का समर्थन कर रहे हैं। उनके लिए प्रचार कर समर्थन मांगते हुए दिखे। दूसरी तरफ, नीरज कुमार के खिलाफ वे बयानबाजी कर रहे और उन्हें चुनाव में हराने का दावा करते हुए दिखे।

घर जा रही नाबालिग लड़की से गैंगरेप तीन हैवानों को पुलिस ने पकड़ा

छपरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के छपरा जिले में एक नाबालिग लड़की से हैवानियत की गई है। इसुआपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में बुधवार को पुलिस ने तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में छपरा जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नीतीश कुमार महतो, ओमप्रकाश महतो और अनूप कुमार प्रसाद के रूप में हुई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, शाम करीब पांच बजे पीड़िता बाजार से सामान खरीदकर पैदल अपने घर लौट रही थी।

इसी दौरान बरगद के पेड़ के पास तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि उनमें से दो युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया जबकि तीसरा मौके पर मौजूद था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ-2 मढ़ौरा संजय कुमार सुधांशु के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर तीनों नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी दल में इसुआपुर थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार, अपर थानाध्यक्ष अंकित कुमार ओझा सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

'पूरे देश को आप पर गर्व'

एशियन पैरा गेम्स में तीरंदाजी में सिल्वर मेडल विजेता स्वाति चौधरी को सीएम योगी ने दी बधाई



लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी की महिला डब्ल्यू1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। हम सभी को आप पर गर्व है।

उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।' यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में स्वाति चौधरी को बधाई देते हुए यह बात कही है।

योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा बदलाव आया है। यूपी की खिलाड़ी स्वाति चौधरी ने एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी स्पर्धा में सफलता हासिल की है। सीएम योगी ने उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हम सभी को स्वाति चौधरी पर गर्व है।

योगी सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रशिक्षण देने, आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने, आर्थिक मदद देने, खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने और सरकारी नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है।

सुवर्णा राज और सुहास को दीं शुभकामनाएं

सीएम योगी ने डिस्कस थ्रो स्वर्ण पदक जीतने वाली सुवर्णा राज और बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतने वाला सुहास एल यतिराज को भी बधाई दी है। सीएम योगी ने लिखा है कि, 'एशियन पैरा गेम्स-2026 में महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर मां भारती का मान अभिवर्धित करने वाली सुवर्णा राज जी को हार्दिक बधाई। अथक परिश्रम और अटूट संकल्प से अर्जित आपकी इस स्वर्णिम उपलब्धि ने असंख्य बेटियों के सपनों को नई उड़ान दी है। आपके स्वर्णिम भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं।'

कांग्रेस की मांग पर सपा सांसद बर्क का बयान, बोले- जीत की संभावना पर होगा सीटों का बंटवारा

संभल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सियासी चर्चा तेज हो गई है। इस बीच संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कांग्रेस की सीटों की मांग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कितनी सीटें मांग रही है, इससे समाजवादी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, सीटों का बंटवारा जीत की संभावना के आधार पर होना चाहिए। बर्क ने गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव से हुई बातचीत का भी जिक्र किया और कहा कि दोनों दलों के बीच चर्चा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। संभल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कांग्रेस की सीटों की मांग पर अपनी पार्टी का रुख साफ किया।

उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या को लेकर सवाल उठाना अलग बात है। कांग्रेस कितनी सीटों की मांग कर रही है, इससे समाजवादी पार्टी को कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, सपा चाहती है कि सीटों का बंटवारा इस आधार पर किया जाए कि कांग्रेस किन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव जीतने की स्थिति में है। बर्क के बयान से साफ है कि समाजवादी पार्टी सीटों के बंटवारे में जीत की संभावना को अहम मान रही है।

कैसे खत्म होगा करप्शन?

धोखाधड़ी कांड में 25 साल बाद भी मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं मिली

मुजफ्फरपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा के बेनीपुर अनुमंडल के तत्कालीन एसडीओ विजय कुमार सिन्हा ने वर्ष 2000 में धेरूख पंचायत के सचिव रामाधिकारी साहू पर बहेड़ा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें पंचायत सचिव पर भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी व गबन का आरोप लगाया था। मामले की जांच के बाद आईओ ने पांच फरवरी-2001 को विशेष कोर्ट निगरानी में चार्जशीट दाखिल की। यह चार्जशीट उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की विभागीय अधिकारियों की अनुमति के बिना ही दाखिल की गई थी।

इस बीच दर्ज एफआईआर के रिकॉर्ड के कागजात भी जर्जर हो चुके हैं जिन्हें अब पढ़ना भी मुश्किल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक पिछले 25 वर्षों में विभागीय अफसरों ने आरोपित पंचायत सचिव पर मुकदमा चलाने की स्वीकृति नहीं दी। इससे इस चार्जशीट पर विशेष कोर्ट संज्ञान नहीं ले सका। वहीं, पिछले 25 वर्षों में मामले के रिकॉर्ड में कोर्ट की कोई कार्यवाही दर्ज नहीं की गई।

विशेष कोर्ट की ओर से संबंधित थाना और अभियोजन पक्ष को मुकदमा चलाने की स्वीकृति पत्र दाखिल करने का कई बार निर्देश दिया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। विशेष कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई परोक्ष रूप से निष्पादित (स्थगित) कर रिकॉर्ड को अभिलेखागार भेज दिया है। सक्षम अधिकारी से मुकदमा चलाने की स्वीकृति पत्र मिलने के बाद ही मामले की सुनवाई होगी। विभाग के इस रवैये से लग रहा है कि धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई शायद नहीं हो पाएगी।

रिकार्ड के पन्ने हो गए जीर्ण-शीर्ण, पढ़ने में भी मुश्किल

विशेष कोर्ट ने कहा है कि 26 वर्ष पुराना मामला होने के कारण इसके रिकॉर्ड का पन्ना जीर्ण-शीर्ण हो गया है। इसे पढ़ना मुश्किल हो रहा है। अभियोजन पक्ष की ओर से निकट भविष्य में मुकदमा चलाने की विभाग के सक्षम अधिकारियों की अनुमति दिए जाने का आश्वासन भी नहीं मिला है।

इसलिए इस मामले को परोक्ष रूप से निष्पादित करते हुए रिकॉर्ड को अभिलेखागार भेजा है। साथ ही वहां दस वर्ष तक इसे सुरक्षित रखने का आदेश दिया गया है। विभाग की इस लापरवाही से एक आरोपी लोकसेवक के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद धुमिल पड़ती जा रही है।

चलती बस बनी आग का गोला यात्रियों में मची चीख-पुकार; चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

वैशाली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले में हाजीपुर-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सदर थाना क्षेत्र के व्यस्त चैला चौक के पास मुजफ्फरपुर से हाजीपुर की ओर आ रही एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि, चालक और खलासी की सूझबूझ से सभी यात्रियों को समय रहते बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निजी बस मुजफ्फरपुर से यात्रियों को लेकर हाजीपुर की ओर जा रही थी।

जैसे ही बस सदर थाना क्षेत्र के चैला चौक के पास पहुंची, उसके इंजन वाले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। बस से धुआं उठता देखकर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चालक और खलासी ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और आनन-फानन में सभी यात्रियों को नीचे उतारा। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि सभी यात्री समय रहते बाहर निकल गए और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बीमा भारती के बेटे पर अपहरण के प्रयास का आरोप

शिकायतकर्ता ने कहा शराब पीने का विरोध करने पर हत्या की धमकी दी, पुलिस को कॉल रिकार्डिंग दी है



पूर्णिया, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्णिया के रुपौली की पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री बीमा भारती के बेटे राजा मंडल पर नाबालिग के अपहरण के प्रयास और उसके पिता को फोन पर गाली-गलौच की धमकी देने का आरोप लगा है। मामला शराब पीने का विरोध करने पर हुए विवाद और फोन पर जान से मारने की धमकी देने से जुड़ा है। पीड़ित पक्ष ने भवानीपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इसके अलावा, पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस को राजा मंडल की ओर से किए गए कॉल की रिकार्डिंग भी सौंपी गई है। हालांकि, कॉल रिकार्डिंग में राजा मंडल की ही आवाज है, इसकी पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भवानीपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या-9 भवनदेवी टोला निवासी मो। बबलू ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि 19 अक्टूबर की शाम वह अपने नवनिर्मित मकान में मौजूद थे। इसी दौरान पूर्व विधायक लिखे बोर्ड लगी एक सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी से राजा मंडल अपने तीन चार साथियों के साथ वहां पहुंचे। कमरे में बैठकर शराब पीने का विरोध करने पर उनके बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए वहां से निकल गए।

शिकायत के अनुसार, उसी रात करीब नौ बजे आरोपी दोबारा लौटकर आए और कमरे में सो रहे मो। बबलू के 15 वर्षीय बेटे मो. महताब आलम को जबरन गाड़ी में खींचने का प्रयास किया। गनीमत रही कि उसी वक्त सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस गश्ती गाड़ी मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। मो. बबलू का यह भी आरोप है कि रात करीब 10 बजे उनके मोबाइल पर फोन कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और पूरे परिवार को काटकर फेंक देने की धमकी दी गई।

फोन करने वाले ने यह भी दावा किया कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। घटना के बाद से बातचीत का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें धमकियां दी जा रही हैं। हालांकि, वायरल ऑडियो की प्रामाणिकता और उसमें सुनाई देने वाली आवाज राजा मंडल की ही है या नहीं, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस तकनीकी जांच के जरिए इसकी सत्यता का पता लगा रही है।

'गर्लफ्रेंड बनाएं तो वादा निभाएं'

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बोलीं- शादी से पहले कमाना सीखें, नाबालिग लड़कियों को मां बनाकर छोड़ देना सही नहीं

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को रिश्तों और शादी को लेकर बड़ी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गर्लफ्रेंड बनाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन शादी का वादा किया है तो उसे निभाना भी जरूरी है। युवाओं को पहले अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए, ताकि वे परिवार की जिम्मेदारी उठा सकें। राज्यपाल ने कम उम्र में लड़कियों के मां बनने और फिर उन्हें छोड़ देने पर भी चिंता जताई। वह गुरुवार को महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के सातवें दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि किसी के साथ रिश्ता बनाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन उसके साथ किए गए वादे को निभाना जरूरी है।

उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि शादी करने से पहले इतनी कमाई जरूर करें कि अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा सकें। उन्होंने कहा कि 13-14 साल की उम्र में किसी लड़की को बच्चे की मां बनाकर छोड़ देना सही नहीं है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकारों ने कई कदम उठाए हैं, लेकिन समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के सातवें दीक्षांत समारोह में कुल 2,279 विद्यार्थियों को डिग्री और डिप्लोमा दिए जा रहे हैं। इनमें 20 शोधार्थियों को पीएचडी, 324 विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएशन और 1,612 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन की डिग्री दी जा रही है। इसके अलावा 323 विद्यार्थियों को डिप्लोमा दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में मिनी एक्सपो भी लगाया गया है। इसमें तकनीक, रोबोटिक्स, वैदिक विज्ञान, योग और एनीमेशन से जुड़े प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आर्थिक परेशानी के कारण कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से जरूरतमंद बच्चों की मदद करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों को पांच-पांच गांवों से जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय इन गांवों में जाकर बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने और उनकी मदद करने का काम करेंगे।

राज्यपाल ने झुग्गी-बस्ती के 450 बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में कई बच्चे आपस में झगड़ते थे, गाली-गलौज करते थे और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते थे। शिक्षकों और अन्य लोगों की मेहनत से उनके व्यवहार में सुधार आया है। बच्चों को पढ़ाई के साथ दूसरी गतिविधियों में भी शामिल किया जा रहा है।

युवक की हत्या, जंगल में कुटिया बनाकर रहता था, धारदार हथियार से किया हमला

सीतापुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर में संदना थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर तेंदुआ गांव के पूरब जंगल में बृहस्पतिवार सुबह एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी झपटे (47) के रूप में हुई है। उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान मिले हैं। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, झपटे गांव के बाहर जंगल में कुटिया बनाकर रहते थे। बृहस्पतिवार सुबह जंगल में उनका शव पड़ा होने की सूचना ग्रामीणों को मिली। जानकारी फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलने पर संदना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि झपटे की हत्या की गई है, हालांकि वारदात के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

43 साल पुराने सामूहिक दुष्कर्म मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला, तीन आरोपी बरी



प्रयागराज, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 43 साल पुराने सामूहिक दुष्कर्म मामले में तीन अभियुक्तों को बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकलपीठ ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को निरस्त करते हुए यह फैसला दिया। अदालत ने कहा कि यौन अपराधों से जुड़े मामलों में पीड़िता का बयान महत्वपूर्ण साक्ष्य होता है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता और घटना की परिस्थितियों के साथ उसकी संगति का आकलन करना भी आवश्यक है।

यह मामला 17 अक्टूबर 1983 की रात फतेहपुर जिले के बिंदकी क्षेत्र में हुई कथित घटना से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चिकित्सकीय साक्ष्य का न मिलना या शरीर पर चोट के निशान नहीं होना अपने आप में आरोपों को खारिज करने का पर्याप्त आधार नहीं है। हालांकि, जब गवाही में अन्य विसंगतियां भी सामने आती हैं, तो सभी उपलब्ध साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करना जरूरी होता है।

अदालत ने इसी सिद्धांत के तहत मामले की परिस्थितियों और गवाहों के बयानों की समीक्षा की। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर विचार किया गया, जिसके बाद निचली अदालत की दोषसिद्धि को निरस्त कर दिया गया।

फतेहपुर के बिंदकी क्षेत्र से जुड़ा था मामला

अभियोजन के अनुसार, घटना 17 अक्टूबर 1983 की रात फतेहपुर जिले के बिंदकी क्षेत्र में हुई थी। मामले में दो महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया गया था। दोनों महिलाएं आपस में ननद-भाभी थीं। आरोप था कि चार नामजद अभियुक्त दो अन्य लोगों के साथ उनके घर में घुसे थे। कथित तौर पर आरोपितों ने तमंचा दिखाकर परिवार के सदस्यों को धमकाया और इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद मामला दर्ज हुआ और आरोपितों के खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया शुरू हुई थी।

निचली अदालत की सजा को दी गई थी चुनौती

इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 22 अप्रैल 1985 को अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। इसके बाद फैसले को चुनौती देते हुए अपील दाखिल की गई। अपील की सुनवाई के दौरान पीड़िताओं के बयानों में घटना के क्रम, आरोपितों की भूमिका और परिवार के सदस्यों को रोकने के तरीके से संबंधित अंतर सामने आए। हाईकोर्ट ने इन विसंगतियों समेत उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया। अदालत ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद तीन अभियुक्तों की दोषसिद्धि निरस्त कर उन्हें बरी करने का आदेश दिया

टाइगर श्रॉफ पर हमले से बॉलीवुड में हड़कंप

दिशा पाटनी समेत इन सितारों की सुरक्षा बढ़ी, अक्षय कुमार ने भी कसी कमर



बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले ने हर किसी को चौंका दिया। जैकी श्रॉफ के बेटे पर हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट हो गई है। रोहित शेट्टी से लेकर दिशा पाटनी तक, कई सितारों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं पुलिस ने कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों की सुरक्षा के इंतजाम तेज कर दिए हैं। चलिए बताते हैं आखिर बॉलीवुड के किन सेलेब्स की सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। टाइगर श्रॉफ पर हमले के बाद मुंबई के जुहू और बांद्रा इलाके में कई बॉलीवुड सितारों के घरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुंबई पुलिस ने बांद्रा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं, अक्षय कुमार समेत कई सितारों की टीमें भी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी एहतियाती कदम उठा रही हैं। अक्षय कुमार जैसे सेलेब्स ने खुद से अपनी सुरक्षा को सख्त किया है।



दिशा पाटनी के घर बढ़ी सुरक्षा

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस के बाद मुंबई पुलिस ने दिशा पाटनी के परिवार की सुरक्षा को भी बढ़ाया है। एक्ट्रेस के उत्तर प्रदेश के बरेली वाले घर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर सीसीटीवी कैमरों और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। इसके साथ ही, पुलिसकर्मियों को चौबीसों घंटे तैनात किया गया है। बता दें दिशा पाटनी के घर पर 11 सितंबर 2025 को फायरिंग हुई थी।

रोहित शेट्टी के घर भी सुरक्षा कड़ी

टाइगर श्रॉफ से पहले रोहित शेट्टी पर भी हमला हुआ था। उनके जुहू स्थित घर अज्ञातों ने 5 राउंड फायरिंग हुई थी। अब टाइगर श्रॉफ पर हुए गोलीबारी की घटना के बाद एक बार फिर सिंघम फेम डायरेक्टर रोहित शेट्टी की सुरक्षा को बढ़ाया गया।

सलमान खान भी रहे निशाना

रोहित शेट्टी से पहले सलमान खान का मामला सबसे चर्चित रहा है। उनके ऊपर 2024 में हमला हुआ था। तब दो हमलावरों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बालकनी में कई राउंड फायरिंग की थी। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई ने ली थी। उसके बाद से कई बार गैंग सलमान खान को खुलेआम धमकी देते रहे हैं। टाइगर पर हमले के बाद भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से यही धमकाया गया था कि जो भी सलमान खान के साथ देगा उसका यही हाल होगा।

कहां हैं अली असगर? 9 साल पहले छोड़ा था 'द कपिल शर्मा शो', इंटरव्यू में कहा



कॉमेडियन अली असगर को तो आप जानते ही होंगे। 'द कपिल शर्मा शो' में दादी का किरदार निभाकर उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई थी। उनकी कॉमेडी और अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, साल 2019 में उन्होंने शो छोड़ दिया और इसके बाद कभी वापसी नहीं की। ऐसे में फैंस के मन में आज भी सवाल है कि आखिर अली असगर ने इतना लोकप्रिय शो क्यों छोड़ा और इन दिनों वह क्या कर रहे हैं? अब अली ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है। अली असगर ने हाल ही में मनीष पॉल को दिए इंटरव्यू में फैंस के सवालों के जवाब दिए। अली ने कहा, "जो लोग यह देख रहे हैं, वे शायद सोचें कि क्या यह पागल है? इसने शो क्यों छोड़ दिया? लेकिन उस समय 'कॉमेडी सर्कस' शनिवार और रविवार को आता था। दोनों ही दिन मुझे महिला का किरदार निभाना पड़ता था। इस वजह से मेरी एक ऐसी छवि बन गई थी। लेखकों के लिए भी यह आसान हो गया था। वे बार-बार मेरे लिए महिला किरदार ही लिखने लगे थे।"

हर बार महिला का किरदार निभाकर होने लगी थी परेशानी

अली असगर ने बताया कि 'कॉमेडी सर्कस' में उन्हें लगातार एक जैसे किरदार दिए जाते थे। अली ने बताया, "शनिवार को भी वही और रविवार को भी वही। कभी अस्पताल की नर्स, कभी सासू मां, कभी सब्जी वाली। राइटर्स के लिए भी बहुत आसान हो गया था कि दो पुरुष कॉमेडियन हैं, तो एक को महिला बना दो। मैं पूछता भी था कि भाई, क्या करवा रहे हो? जवाब मिलता था कि वही, जो आप करते हो।" उन्होंने आगे कहा, "एक समय के बाद तकलीफ होने लगती है। आप अटक जाते हो। लगता है कि मुझे सिर्फ यही नहीं करना है, कुछ और भी करना है। मैं रोज दाल-चावल नहीं खाऊंगा। मुझे आज पूड़ी-भाजी भी चाहिए, भिंडी भी खानी है। कुछ और भी करना है। एक बार करके तो देखूं। करने तो दो। नहीं हुआ, तो फिर कहना।"

काम छोड़ने से डरते थे अली असगर

अली असगर ने यह भी स्वीकार किया कि उनके लिए काम छोड़ना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, "मैं इसलिए भी यह काम करता रहा, क्योंकि मुझे काम की जरूरत थी। इसी से मेरी रोजी-रोटी चलती है। आपको इन सब बातों के बारे में सोचना पड़ता है। मैं हीरो तो हूं नहीं कि कह दूं कि मैं यही करूंगा। करवाना है तो करवाओ, वरना जाओ। यहां तो कह देंगे कि तू नहीं, तो कोई और सही। उस वक्त काम करते-करते उसी बहाव में आगे बढ़ते गए। पता ही नहीं चला।



29 साल पहले नुसरत फतेह अली ने ऐश्वर्या-बॉबी के लिए गया था अपना आखिरी बॉलीवुड गीत, आज भी कर देता है भावुक

नुसरत फतेह अली खान को एक महान पाकिस्तान सूफी सिंगर के तौर पर देखा जाता है। उन्होंने कई मशहूर कव्वालियां भी गाई हैं। अपनी बुलंद आवाज और इमोशनल गानों से उन्होंने कई लोगों के दिलों को छुआ। इसके अलावा उन्होंने बॉलीवुड के भी कई मशहूर गीत गाए हैं। लेकिन आज हम आपको उनके एक स्पेशल गीत के बारे में बताएंगे जो बॉलीवुड में उनका आखिरी गीत भी है। हम बात कर रहे हैं साल 1997 में आई फिल्म और प्यार हो गया की। इस मूवी के गाने कैसा ये प्यार है अल्लाह अल्लाह को राहत फतेह अली खान ने अपनी आवाज दी थी। उनके अलावा उदित नारायण और अनुराधा पौडवाल ने भी इसे गाया है। इसे बॉबी देओल और ऐश्वर्या राय पर फिल्माया गया है और ये अपने जमाने के बेहद रोमांटिक सॉन्ग्स में आता है। गाने के बोल जावेद अख्तर ने लिखे थे और खुद नुसरत साहब ने ही इसका संगीत दिया था। एक तरफ जहां नुसरत साहब की दिल छू लेने वाली आवाज आज भी हमें गुनगुनाने पर मजबूर कर देती है। वहीं दूसरी तरफ इस गाने से जुड़ी सबसे दर्दनाक और हैरान करने वाली बात यह है कि फिल्म 15 अगस्त 1997 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। उसके ठीक अगले ही दिन 16 अगस्त को नुसरत फतेह अली खान का आकस्मिक निधन हो गया। वह लंबे समय से लीवर और किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। कैसा ये प्यार है अल्लाह अल्लाह गाने के दौरान नुसरत फतेह अली खान सिर्फ बैकग्राउंड सिंगर नहीं थे, बल्कि वह फिल्म में एक कैमियो रोल में भी नजर आए थे। यही इस गाने की सबसे बड़ी खूबसूरती है।

वो शराब नहीं पीते, बीमार हैं

दलेर मेहंदी के सपोर्ट में आए अनुपम खेर, मंत्री से पूछे सवाल

बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर दलेर मेहंदी हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद को लेकर चर्चा में आ गए थे। जिसके बाद उन्हें फिल्म इंडस्ट्री से लगातार सपोर्ट मिल रहा है। अब इस मामले में दिग्गज एक्टर अनुपम खेर भी खुलकर दलेर मेहंदी को सपोर्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। और उन्होंने एक वीडियो के जरिए अपनी बात रखी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मंच पर एक कार्यक्रम के दौरान दलेर मेहंदी के साथ बदतमीजी की बात सामने आई थी। उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच पर दलेर मेहंदी को खरी-खोटी सुनाई, जिसके बाद अनुपम खेर ने उनका बचाव किया है। न सिर्फ बॉलीवुड एक्टर्स, बल्कि सोशल मीडिया पर फैन्स के रिएक्शंस भी देखने को मिल रहे हैं।



अनुपम खेर ने सिंगर को किया सपोर्ट

इस मामले पर अब अनुपम खेर ने एक वीडियो शेयर किया है। वो कहते हैं- "दलेर मेहंदी जी को पिछले 25-30 सालों से जानता हूं। और मैं इतना कह सकता हूं कि ही डस नॉट ड्रिंक, एंड ही इज वन ऑफ द फाइनेस्ट ह्यूमन बीइंग्स। हो सकता है कि... और उनकी तबीयत ठीक नहीं है। क्योंकि हमारे एक डॉक्टर हैं, वो उसके पास मुझे मिलते रहते हैं और मैं पर्सनली जानता हूं कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है दो-तीन सालों से। ये फेयर नहीं है और ये... इस तरह से पब्लिकली लांछन लगाना गलत है। दलेर जी, आई एम सो सॉरी, बट आई थिंक पीपल शुड टॉक अबाउट इट। तुसी ग्रेट है गियो, तुसी बेस्ट है गियो। गॉड ब्लेस यू, यू आर द बेस्ट।"

एक्टर ने कैप्शन में क्या लिखा है?

अनुपम खेर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा- "एक-दो दिन पहले एक वीडियो देखा, जिसमें कोई मंत्री जी मंच पर दलेर मेहंदी जी से जिस तरह बात कर रहे थे। उसे देखकर बहुत दुख हुआ। मैं दलेर जी को बहुत सालों से जानता हूं। यह भी जानता हूं कि पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं रही है। मंत्री जी, आपको उनकी प्रस्तुति से शिकायत हो सकती है। नाराजगी भी हो सकती है। लेकिन सबके सामने मंच पर जाकर इस तरह उन्हें अपमानित करना जरूरी था क्या? यही बात उनसे अलग बैठकर, इज्जत से भी तो कही जा सकती थी।" "एक कलाकार अपनी मेहनत से जो पहचान और सम्मान कमाता है, उसके पीछे पूरी जिंदगी लगी होती है। दलेर जी ने पिछले 30-35 सालों से अपने गानों से हम सबको खुशी दी है। उस योगदान की कुछ तो कद्र होनी चाहिए। दलेर जी, मैंने आपको हमेशा एक नेकदिल, प्यार बांटने वाले इंसान के तौर पर जाना है। जहां तक मैं आपको जानता हूं, आप शराब भी नहीं पीते। आपको यह सब सहना पड़ा, इसका मुझे बहुत अफसोस है।"

सैफ अली खान की फिल्म से क्यों बाहर हुईं प्रियंका चोपड़ा? मुंबई में शूटिंग से पहले बड़ा बदलाव



बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया है। वो लगातार कई फिल्मों में काम कर रहे हैं। इस वक्त सैफ अली खान का कई प्रोजेक्ट्स पर नाम जुड़ रहा है।हाल ही में पता लगा कि रितेश बत्रा के नए पीरियड ड्रामा की शूटिंग मुंबई में शुरू हो गई है। लेकिन शुरुआत में ही एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रियंका चोपड़ा अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। यूं तो प्रियंका लंबे वक्त बाद इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं, वो 'वाराणसी' का काम लगभग कंप्लीट कर चुकी हैं। सैफ अली खान की फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। और इसकी शूटिंग 21 अक्टूबर को भायखला के एक म्यूजियम में शुरू हुई थी। फिलहाल सैफ के हिस्सों की शूटिंग चल रही है, जबकि मेकर्स जल्द से जल्द किसी नई लीड एक्ट्रेस को फाइनल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में एक न्यूज़ वेबसाइट पर एक रिपोर्ट छपी। जिससे पता लगा कि, इस फिल्म में सैफ अली खान के अपोजिट प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया गया था। दरअसल दोनों पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले थे।

हालांकि, मुंबई शेड्यूल शुरू होने से पहले ही प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी। कहा जा रहा है कि, उनके पास पहले से ही कुछ दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स थे। जिसकी वजह से डेट्स को लेकर दिक्कत खड़ी हो गई, जिसे टीम सुलझा नहीं पाई है। दरअसल कास्टिंग में बदलाव के बावजूद यह सबसे दिलचस्प हिंदी फिल्म कोलैबोरेशन में से एक है। यह सैफ अली खान और बत्रा का पहला साथ में प्रोजेक्ट है। दरअसल बत्रा को 2013 में 'द लंचबॉक्स' से पहचान मिली है। इसके बाद उन्होंने 2017 में 'द सेंस ऑफ एन एंडिंग' और 'आवर सोल्स एट नाइट' बनाईं। साथ ही फिर 2019 में 'फोटोग्राफ' का डायरेक्शन किया।

'तो तुम सीरियस थी'

दीपिका पादुकोण ने छोटी बेटी का रखा बिपाशा बासु की बेटी वाला नाम, एक्ट्रेस के रिएक्शन ने जीता दिल



बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने दशहरे के मौके पर अपनी दूसरी बेटी का नाम बताकर फैंस को खास सरप्राइज दिया। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी छोटी बेटी की पहली झलक साझा करने के साथ उसका नाम 'देवी पादुकोण सिंह' रखा है। लेकिन इस ऐलान के बाद सबसे ज्यादा चर्चा एक्ट्रेस बिपाशा बसु के रिएक्शन की हो रही है। दरअसल बिपाशा और करण सिंह ग्रोवर की बेटी का नाम भी देवी है। ऐसे में दीपिका की पोस्ट पर बिपाशा का कमेंट लोगों का ध्यान खींच रहा है। उनका शुरुआती रिएक्शन सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स इस पर चर्चा करने लगे।

दीपिका और रणवीर ने इंस्टाग्राम पर एक कोलैब पोस्ट शेयर की, जिसमें दोनों अपनी बेटियों के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'प्रेम और समृद्धि से भरपूर... देवी पादुकोण सिंह।' पोस्ट सामने आने के कुछ ही देर बाद बिपाशा बसु ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, 'तो जब तुमने मुझे इस बारे में बताया तो तुम सीरियस थीं?' हालांकि, कुछ ही मिनट बाद उन्होंने अपना कमेंट एडिट कर दिया और सिर्फ 'देवी' लिखकर उसके साथ दिल वाला इमोजी जोड़ दिया। बिपाशा के इस कमेंट ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी। लोगों का ध्यान इस बात पर गया कि दीपिका और बिपाशा, दोनों की बेटियों का नाम देवी है। बिपाशा के शुरुआती कमेंट से ऐसा लगा कि दीपिका ने उन्हें पहले ही अपने फैसले के बारे में बताया था। हालांकि, दोनों के बीच इस बातचीत का पूरा संदर्भ सामने नहीं आया है। इसके बावजूद बिपाशा का यह रिएक्शन सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

दीपिका की छोटी बेटी का नाम भी है देवी

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी दूसरी बेटी का जन्म 19 सितंबर को होने की जानकारी दी थी। अब दशहरे के मौके पर उन्होंने पहली बार उसकी झलक साझा करते हुए नाम का ऐलान किया है। कपल की बड़ी बेटी का नाम दुआ पादुकोण सिंह है, जिसका जन्म 8 सितंबर 2024 को हुआ था। अब छोटी बेटी का नाम देवी पादुकोण सिंह रखे जाने के बाद परिवार की यह खुशी फैंस के बीच चर्चा में है। शेयर की गई तस्वीर में दीपिका गोल्डन रंग के पारंपरिक कपड़ों में अपनी छोटी बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। वहीं रणवीर सिंह और उनकी बड़ी बेटी दुआ भी तस्वीर में दिखाई दे रहे हैं। दुआ अपनी छोटी बहन पर प्यार लुटाती नजर आ रही हैं। तस्वीर में पूरा परिवार बेहद खुश दिखाई दे रहा है।

बिग बॉस 20 : क्या प्यार को दूसरा मौका देंगी माही विज?

काजी तौकीर के सवाल पर शरमाते हुए दिया ऐसा जवाब



'बिग बॉस' में लगभग हर सीजन में प्रतिभागी एक दूसरे के साथ रहते हुए अपने सुख-दुख साझा कर लेते हैं। ऐसे ही शो के बीसवें सीजन में भी हो रहा है। हालिया एपिसोड में माही विज से उनकी रोमांटिक लाइफ को लेकर कुछ सवाल पूछे गए। इनके जवाब भी एक्ट्रेस ने दिये। 'बिग बॉस 20' के एपिसोड में माही विज, काजी तौकीर और उदिति सिंह साथ बैठे हुए थे। इसी बीच काजी ने माही से पूछा कि क्या कोई उन्हें प्रपोज कर सकता है?, इसके जवाब में माही ने कहा 'नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूं।' यह सुनने के बाद काजी माही से मजाक करने लगे। उन्होंने कहा कि वह सबकुछ थोड़ा डिटेल में बतायें। इसके बाद माही कुछ सोचने लगीं।

क्या माही ने किसी को चुना?

आगे अपनी बातचीत में काजी ने कहा, 'मतलब आपने 3-4 लोगों को चुन रखा है, जो आपको प्रपोज कर सकते हैं।' यह सुनकर भी माही ने किसी में भी दिलचस्पी होने की बात पर हामी नहीं की। बातचीत के समय उनके आस-पास मौजूद उदिति ने कहा कि शायद उनका 'खास इंसान' भी यह शो देख रहा होगा। सबकी बातें सुनने के बाद भी माही ने अपनी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

14 साल का रिश्ता टूटा

अभिनेत्री माही विज और जय भानुशाली ने 2010 में शादी की थी।

इस कपल के तीन बच्चे हैं। पहली बेटी तारा (2019) और दूसरे फोस्टर किड्स राजवीर और खुशी (2017)

जनवरी, 2026 में कपल ने तलाक ले लिया।

हालांकि दोनों ने ही इस तलाक की वजह फैंस को कभी नहीं बताई।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com